भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

06.08.2014 को लोक सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 4001

नाभिकीय विद्युत उत्पादन संबंधी नीति

4001. श्रीमती संतोष अहलावत :
श्री ओम बिरला :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार देश में नाभिकीय विद्युत उत्पादन को बढ़ाने के लिए कोई दीर्घावधि नीति लागू करने का है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या नाभिकीय विद्युत उत्पादन को बढ़ाने के लिए विद्युत उत्पादन हेतु विद्यमान नाभिकीय विद्युत संयंत्रों को उन्नयित और उनका सुधार किए जाने का प्रस्ताव है;

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में किया गया अनुमानित व्यय और आज की तिथि तक व्यय की गई निधियाँ कितनी हैं;

(ङ) क्या नाभिकीय विद्युत निगम ने 2020 तक 20,000 मेगावाट विद्युत उत्पादन को प्राप्त करने के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किया है; और

(च) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) जी, हाँ।

(ख) भारत, नाभिकीय विद्युत उत्पादन में वृद्धि करने और दीर्घावधि ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए देश के संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने पर आधारित एक त्रि-चरणीय नाभिकीय विद्युत कार्यक्रम के संबंध में कार्य कर रहा है। इसके अतिरिक्त, स्वदेशी कार्यक्रम में अतिरिक्त योगदान के रूप में, विदेशी तकनीकी सहयोग के साथ बड़ी क्षमता के साधारण जल रिएक्टरों को स्थापित किए जाने की भी योजना है।

(ग) जी, नहीं। वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

(घ) यह प्रश्न ही नहीं उठता।

(ड.) तथा (च) नाभिकीय विद्युत क्षमता में वृद्धि का काम वर्तमान में, न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) और भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड (भाविनि) द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है। वर्तमान स्थापित क्षमता 4780 मेगावाट है। नाभिकीय क्षमता में और आगे वृद्धि करके उसे 5300 मेगावाट तक पहुंचाने के लिए, सात रिएक्टरों के निर्माण/कमीशनिंग का काम क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में है। XIIवीं पंचवर्षीय योजना के प्रस्तावों के अंतर्गत, कुल 17400 मेगावाट क्षमता की नई परियोजनाओं के संबंध में काम शुरु किए जाने की परिकल्पना की गई है। इन परियोजनाओं के क्रमिक रूप से पूरा हो जाने पर, नाभिकीय विद्युत क्षमता के वर्ष 2023-24 तक 27,480 मेगावाट तक पहुंच जाने की आशा है।

* * * * * * *